Publication	Dainik Jagran
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	III
Date	13th Feb 2018

दैनिक जागरण

कथक नृत्यांगना उमा शर्मा ने मन मोहा

सनसिटी स्कूल के कार्यक्रम उमा शर्मा ने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को अपने नृत्य के जरिये प्रस्तुत किया

जागरण संवाददाता, नया गुरुग्राम : सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में विख्यात कथक नृत्यांगना उमा शर्मा ने अपने मनमोहक नृत्य से समां बाध दिया। तबले की थाप पर थिरकते हुए उन्होंने कथक की लास्य कला की प्रस्तुति दी, जिस पर पूरा हॉल मंत्रमुग्ध हो गया। एक प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को भी अपने नृत्य के जरिये प्रस्तुत किया।

बाद में छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए पद्मभूषण व पद्मश्री सम्मान से सम्मानित उमा शर्मा ने कहा कि कथक उत्तर भारत का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है, जिसके माध्यम से प्राचीन लोक कथाओं, कहानियों और कवियों की प्रसिद्ध रचनाओं पर भाव मुद्राओं द्वारा नृत्य किया जाता है। इसके अंतर्गत नटवारी नृत्य, कृष्ण रासलीला आदि आते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपनी संस्कृति और प्राचीन कलाओं को समझना चाहिए और

सनसिटी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विख्यात कथक नृत्यांगना नृत्य की प्रस्तुति देती उमा शर्मा ● जागरण

अपनाना चाहिए। पाश्चात्य संस्कृति हमें आकर्षित करती हैं लेकिन अपनी संस्कृति के प्रति भी हमको जागरूक रहना चाहिए।

विभिन्न डांस शो में हिस्सा ले रहे बच्चों की प्रतिभा पर भी उमा ने कहा कि हमारे देश में नृत्य के मामले में अनेकों प्रतिभाएं मौजूद हैं। छोटे-छोटे बच्चे इतने कठिन नृत्य इस तरह से करते हैं, जैसे वे तो उनके लिए चुटकियों का खेल है। वह देखकर और भी अच्छा लगता है कि नृत्य के मामले में हमारा देश काफी प्रगति कर रहा है।

उन्होंने कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर को भी समझाते हुए बताया कि पौराणिक कथाओं के संदर्भ में, लास्य शब्द देवी पार्वती द्वारा प्रस्तुत नृत्य का वर्णन करता है क्योंकि यह खुशी को व्यक्त करता है और तांडव एक दिव्य नृत्य है जो भगवान शिव द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थी, शिक्षक और विद्यालय कर्मचारियों के साथ बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे।

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	13th Feb 2018

अमर उजाला

कथक नृत्यांगना उमा शर्मा दी प्रस्तुति

गुरुग्राम। सनसिटी स्कूल में स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध नृत्यांगना और पद्मभूषण एवं पद्मश्री पुरस्कार विजेता उमा शर्मा ने अपने जीवंत नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उमा शर्मा ने कहा कि कथक 2500 साल पुरानी नृत्य कला है। बहुत निराशाजनक है कि हमारी संस्कृति विघटित हो रही है और युवा अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं। उन्होंने कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर को भी समझाया। इस कार्यक्रम के मौके पर सनसिटी स्कूल की प्राचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि सनसिटी स्कूल में स्पाईमैके के बैनर के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं। ब्यूरो

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	13th Feb 2018

NBT
नवभारत टाइम्स

प्रस्तुति दी

■ **एनबीटी न्यूज, गुड़गांव :** भारतीय संस्कृति से छात्रों को रूबरू कराने के लिए सनसिटी स्कूल में स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध नृत्यांगना, पद्मभूषण और पद्मश्री पुरस्कार विजेता उमा शर्मा ने सनसिटी स्कूल में छात्रों को अपने नृत्य से भावविभोर कर दिया। एक प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को अपनी शानदार नृत्य के माध्यम से सुनाई। कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर को भी समझाया। उनके प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण कथक के दो शैलियों के बीच सामंजस्य करने की क्षमता रही।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Dainik Bhaskar
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	05
Date	13th Feb 2018

दैनिक भास्कर

नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की राधा-कृष्ण की कथा

गुड़गांव। सनसिटी स्कूल में स्पीक मैके कार्यक्रम का आयोजन रविवार शाम किया गया। इसमें पद्मभूषण उमा शर्मा ने छात्रों को अपने नृत्य से भावविभोर कर दिया। उन्होंने प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ कृष्ण व राधा की पौराणिक कहानियों को नृत्य के जरिए पेश किया। कथक नृत्यांगना ने कहा कि कथक 2500 साल पुराना नृत्य है। बहुत निराशाजनक है की हमारी संस्कृति विघटित हो रही है। युवा अपनी जड़ों से कट रहे हैं। भगवान शिव के तांडव के बारे में उन्होंने बताया कि तांडव निर्माण, संरक्षण और विघटन के चक्र का स्रोत है। स्कूल की प्रिंसिपल रूपा चक्रवर्ती ने बताया कि स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	13th Feb 2018

पंजाब केसरी

कथक नृत्यांगना ने प्रस्तुति से मन मोहा

गुरुग्राम ,सतबीर भारद्वाज ,(पंजाब केसरी) :भारतीय संस्कृति से छात्रों को रूबरू कराने हेतु सनसिटी स्कूल गुरुग्राम ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रसिद्ध नृत्यांगना और पद्मभूषण, एवं पद्मश्री पुरस्कार विजेता उमा शर्मा ने छात्रों को अपने जीवंत नृत्य द्वारा भावविभोर कर दिया। जब उन्होंने कथक की लास्य कला की प्रस्तुती दी, पूरा हाल मंत्रमुग्ध हो गया। एक प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को अपनी शानदार नृत्य के माध्यम से सुनाई। इस अवसर पर कथक नृत्यांगना ने कहा कि दृश्कथक 2500 साल पुराना नृत्य कला है। बहुत निराशाजनक है की हमारी संस्कृति विघटित हो रही है और युवा अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं। उषा शर्मा ने कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर को भी समझाया। हिंदू पौराणिक कथाओं के संदर्भ में, लस्य शब्द, देवी पार्वती द्वारा प्रस्तुत नृत्य का वर्णन करता है क्योंकि यह खुशी को व्यक्त करता है और तांडव एक दिव्य नृत्य है जो हिंदू भगवान शिव द्वारा किया जाता है। शिव के तांडव को एक जोरदार नृत्य के रूप में वर्णित किया गया है जो निर्माण, संरक्षण और विघटन के चक्र का स्रोत है। मूलत: राजस्थान की रहने वाली उमा शर्मा ने नृत्य प्रशिक्षण जयपुर घराने के गुरु हिरालाल और गिरिवर दयाल से लिया है तथा बाद में वह जयपुर घराने के ही पंडित सुन्दर प्रसाद की शिष्या बन गयीं। उनके प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण कथक के दो शैलियों के बीच सामंजस्य करने की क्षमता है। पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करने के अलावा उमा शर्मा के पास सैकड़ों प्रशस्ति पत्र हैं। उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और साहित्य कला परिषद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। 2013 में उन्हें अखिल भारतीय विक्रम परिषद, काशी द्वारा भारतीय कथक नृत्य में उनके बहुमूल्य योगदान के लिएश्रीजन मनीषी सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर प्राचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए ऐसी गतिविधियां महत्वपूर्ण है। यह विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और विरासत के प्रति संवेदनशील बनाने के हमारे प्रयासों का भी एक हिस्सा है।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	13th Feb 2018

ह्यूमन इंडिया

सनसिटी स्कूल में कथक नृत्यांगना उमा शर्मा ने दी जीवंत प्रस्तुति

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। भारतीय संस्कृति से छात्रों को रूबरू कराने हेतु, सनसिटी स्कूल गुरुग्राम ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया प्रसिद्ध नृत्यांगना और पद्मभूषण,एवं पद्मश्री पुरस्कार विजेता उमा शर्मा ने सनसिटी स्कूल, गुड़गांव में छात्रों को अपने जीवंत नृत्य द्वारा भावविभोर कर दिया। जब उन्होंने कथक की लास्य कला की प्रस्तुती दी, पूरा हाल मंत्रमुग्ध हो गया। एक प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को अपनी शानदार नृत्य के माध्यम से सुनाई। इस अवसर पर कथक नृत्यांगना ने कहा कि कथक 2500 साल पुराना नृत्य कला है। बहुत निराशाजनक है की हमारी संस्कृति विघटित हो रही है और युवा अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं। उन्होंने कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर को भी समझाया। हिंदू पौराणिक कथाओं के संदर्भ में, लस्य शब्द, देवी पार्वती द्वारा प्रस्तुत नृत्य का वर्णन करता है क्योंकि यह खुशी को व्यक्त करता है और तांडव एक दिव्य नृत्य है जो हिंदू भगवान शिव द्वारा किया जाता है। शिव के तांडव को एक जोरदार नृत्य के रूप में वर्णित किया गया है जो निर्माण, संरक्षण और विघटन के चक्र का स्रोत है। मूलत: राजस्थान की रहने वाली उमा शर्मा ने नृत्य प्रशिक्षण जयपुर घराने के गुरु हिरालाल और गिरिवर दयाल से लिया है तथा बाद में वह जयपुर घराने के ही पंडित सुन्दर प्रसाद की शिष्या बन गयीं। उनके प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण कथक के दो शैलियों के बीच सामंजस्य करने की क्षमता है।

पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने के अलावा उमा शर्मा के पास सैकड़ों प्रशस्ति पत्र हैं। उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और साहित्य कला परिषद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।2013 में, उन्हें अखिल भारतीय विक्रम परिषद, काशी द्वारा भारतीय कथक नृत्य में उनके बहुमूल्य योगदान के लिएश्रीजन मनीषी सम्मान से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर सनसिटी स्कूल की प्राचार्या रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि सनसिटी स्कूल में हम नियमित रूप से स्पाईमैके के बैनर के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं। छात्रों की समग्र विकास के लिए ऐसी गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। यह विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और विरासत के प्रति संवेदनशील बनाने के हमारे प्रयासों का भी एक हिस्सा है। सनसिटी स्कूल के नौवीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया ने कहा कि मैं उमा मैम के प्रस्तुति से बहुत ही मंत्रमुग्ध हूं। विभिन्न घरानों के बीच एक संतुलन हासिल करने की उनकी क्षमता सराहनीय है।

https://www.jagran.com/haryana/gurgaon-kathak-mestro-uma-sharma-won-heart-by-her-performence-17508963.htm006C

कथक नृत्यांगना उमा शर्मा की प्रस्तुति ने मन मोहा

जागरण संवाददाता, नया गुरुग्राम : सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके के सहयोग से आयोजित

जागरण संवाददाता, नया गुरुग्राम : सेक्टर 54 स्थित सनसिटी स्कूल में स्पिक मैके के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम मेंविख्यात कथक नृत्यांगना उमा शर्मा ने अपने मनमोहक नृत्य से समां बाध दिया। तबले की थाप पर थिरकते हुए उन्होंने कथक की लास्य कला की प्रस्तुति दी, जिस पर पूरा हॉल मंत्रमुग्ध हो गया। एक प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को भी अपने नृत्य के जरिये प्रस्तुत किया।

Continue to next page>>

बाद में छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए पद्मभूषण व पद्मश्री सम्मान से सम्मानित उमा शर्मा ने कहा कि कथक उत्तर भारत का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है, जिसके माध्यम से प्राचीन लोक कथाओं, कहानियों और कवियों की प्रसिद्ध रचनाओं पर भाव मुद्राओं द्वारा नृत्य किया जाता है। इसके अंतर्गत नटवारी नृत्य, कृष्ण रासलीला आदि आते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपनी संस्कृति और प्राचीन कलाओं को समझना चाहिए और अपनाना चाहिए। पाश्चात्य संस्कृति हमें आकर्षित करती हैं लेकिन अपनी संस्कृति के प्रति भी हमको जागरूक रहना चाहिए।

विभिन्न डांस शो में हिस्सा ले रहे बच्चों की प्रतिभा पर भी उमा ने कहा कि हमारे देश में नृत्य के मामले में अनेकों प्रतिभाएं मौजूद हैं। छोटे-छोटे बच्चे इतने कठिन नृत्य इस तरह से करते हैं, जैसे ये तो उनके लिए चुटकियों का खेल है। यह देखकर और भी अच्छा लगता है कि नृत्य के मामले में हमारा देश काफी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर को भी समझाते हुए बताया कि पौराणिक कथाओं के संदर्भ में, लास्य शब्द देवी पार्वती द्वारा प्रस्तुत नृत्य का वर्णन करता है क्योंकि यह खुशी को व्यक्त करता है और तांडव एक दिव्य नृत्य है जो भगवान शिव द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थी, शिक्षक और विद्यालय कर्मचारियों के साथ बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे।ाज

http://hindi.eenaduindia.com/State/Haryana/2018/02/13104843/Uma-Sharma-turns-to-viewers-on-Shivas-Maha-Parva.vpf

कत्थक नृत्यांगना उमा शर्मा ने शिव के महापर्व पर दर्शकों को कर दिया भावविभोर

गुरुग्राम। देश की प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना उमा शर्मा ने शिव के महापर्व पर सनसिटी स्कूल गुरुग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उमा शर्मा ने अपने नृत्य में भारतीय संस्कृति की झलक को दिखाया।

कत्थक में पारंगत अपने नृत्य को बच्चों के सामने प्रस्तुत करके उमा ने भारतीय संस्कृति की विधा का परिचय दिया। नृत्य के माध्यम से उन्होंने बच्चों को बताया कि हमारे पास कला की ऐसी विधियां है जिनसे पूरा विश्व आकर्षित होता है।

Continue to next page>>

विष्णु श्लोक के साथ की शुरुआत

छात्रों ने नृत्य के जरिए भारतीय संस्कृति की धरोहर को नजदीक से देखा। सनसिटी स्कूल गुरुग्राम के स्पाईमैके कार्यक्रम में उमा शर्मा ने छात्रों को अपने जीवंत नृत्य से भावविभोर कर दिया। एक प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कृष्ण और राधा की पौराणिक कहानियों को अपनी शानदार नृत्य के माध्यम से सुनाया।

पाश्चात्य सभ्यता के बढ़ते चलन से चिंतित दिखी उमा

इस अवसर पर कथक नृत्यांगना ने कहा कि दृश्कथक 2500 साल पुरानी नृत्य कला है और ये बहुत निराशाजनक है कि हमारी संस्कृति विघटित हो रही है और युवा अपनी जड़ों से कटते जा रहे हैं। उमा शर्मा ने कथक के लास्य और तांडव रूपों के बीच के अंतर भी छात्रों को समझाया।

https://www.bhaskar.com/harayana/gurgaon/news/HAR-GUR-OMC-MAT-latest-gurgaon-news-020502-1104483-NOR.html

नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की राधा-कृष्ण की कथा

गुड़गांव। सनसिटी स्कूल में स्पीक मैके कार्यक्रम का आयोजन रविवार शाम किया गया। इसमें पद्मभूषण उमा शर्मा ने...

गुड़गांव। सनसिटी स्कूल में स्पीक मैके कार्यक्रम का आयोजन रविवार शाम किया गया। इसमें पद्मभूषण उमा शर्मा ने छात्रों को अपने नृत्य से भावविभोर कर दिया। उन्होंने प्रसिद्ध विष्णु श्लोक के साथ कृष्ण व राधा की पौराणिक कहानियों को नृत्य के जरिए पेश किया। कथक नृत्यांगना ने कहा कि कथक 2500 साल पुराना नृत्य है। बहुत निराशाजनक है की हमारी संस्कृति विघटित हो रही है। युवा अपनी जड़ों से कट रहे हैं। भगवान शिव के तांडव के बारे में उन्होंने बताया कि तांडव निर्माण, संरक्षण और विघटन के चक्र का स्रोत है। स्कूल की प्रिंसिपल रूपा चक्रवर्ती ने बताया कि स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं।

http://bit.ly/2CiJh24

उमा शर्मा ने कथक की प्रस्तुति से मन मोहा

जासं नोएडा : विश्व भारती स्कूल में शुक्रवार को स्पिक मैके के अंतर्गत विख्यात कथक नृत्यागना उमा शर्मा ने अपने मनमोहक नृत्य से समां बाध दिया। तबले की थाप पर थिरकते हुए उन्होंने श्रीकृष्ण की माखन चोरी की लीला की मनमोहक प्रस्तुति दी। उस्ताद मुबारक अली खान ने तबले खालिद मुस्तफा ने सितार पर और पंडित ज्वाला प्रसाद ने गायन में उनकी संगत दी। उमा शर्मा ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर दिया। कहा कथक उत्तर भारत का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है। इसके माध्यम से प्राचीन लोक कथाओं कहानियों और कवियों की प्रसिद्ध रचनाओं पर भाव मुद्राओं द्वारा नृत्य किया जाता है। इसके अंतर्गत नटवारी नृत्य